7
अध्याय

सूचना, शिक्षा और संप्रेषण

7.1 परिचय

सूचना, शिक्षा और संप्रेषण (आईईसी) कार्यनीति का उद्देश्य इस मंत्रालय के विभिन्न स्कीमों/कार्यक्रमों के अंतर्गत उपलब्ध लाभों के संबंध में जागरूकता पैदा करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना एवं उन तक पहुंचने में नागरिकों का मार्गदर्शन करना है। इसका उद्देश्य प्रोत्साहक और निवारक स्वास्थ्य पर फोकस देते हुए जन मानस में स्वास्थ्य संवर्धन व्यवहार के निर्माण को बढ़ावा देना भी है। आईईसी कार्यनीति ने संप्रेषण के लिए प्रयुक्त विभिन्न साधनों के जरिए शहरी और ग्रामीण जनसंख्या की विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति की है।

7.2 प्रिंट

आईईसी प्रभाग क्षेत्रीय भाषाओं सहित भारत के सभी अग्रणी समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापन प्रकाशित करता रहा है। ऐसे विज्ञापनों का उद्देश्य न केवल सकारात्मक व्यवहार को अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहन देना, अपितु सरकार द्वारा प्रदत्त गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य परिचर्या की उपलब्धता एवं पहुंच के संबंध में जागरूकता पैदा करना और सूचना का प्रचार–प्रसार करना भी है। विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, तंबाकू निषेध दिवस आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय दिवसों पर प्रिंट मीडिया के जरिए पूरे देश में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश दिए जाते हैं। इस वर्ष इबोला की रोकथाम के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए समाचार पत्रों में नियमित रूप से विज्ञापन प्रकाशित किए गए थे। ये मिथकों और डर को दूर करने और आधारहीन अफवाहों को दबाने में अत्यधिक प्रभावी थे। मलेरिया, डेंगू, काला अजार आदि के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ऐसे विज्ञापन जारी किए गए थे।

मंत्रालय ने एच1एन1 इंफ्लुएंजा के प्रकोप के दौरान प्रिंट मीडिया का प्रभावी रूप से इस्तेमाल किया। इसने नियमित रूप से विज्ञापन जारी किए जिसमें इंफ्लुएंजा द्वारा प्रभावित लोगों को फ्लू से उनकी रक्षा के लिए उपाय के संबंध में; जांच सुविधाओं तक पहुंचने के संबंध में; राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के प्रकोप अनुवीक्षण प्रकोष्ठ की संख्या; और दवाइयां बेचने वाले दवा विक्रेताओं की सूची के संबंध में जानकारी थी। इसने इसके लक्षणों और करने योग्य बातों तथा न करने योग्य बातों के बारे में जागरूकता फैलाई है और इस प्रकार सूचना के अभाव के कारण जनमानस में होने वाले डर को रोकने में सहायता प्रदान की है।

इस प्रभाग ने पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत, 11वें जनसंख्या और विकास संबंधी अंतर्राष्ट्रीय, अंतरमंत्रालीय सम्मेलन, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले, तीव्रीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़े की शुरूआत,भारतीय नवजात शिशु कार्य योजना, मानसिक स्वास्थ्य पल्स पोलियो और गांधी जयंती आदि को चिह्नित करने के लिए विज्ञापन भी प्रकाशित किए।

समाचारपत्र में विज्ञापन देने के लिए अलावा आईईसी प्रभाग ने ऐसे पर्चे/पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं जिनमें स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में सूचना के प्रचार–प्रसार और जागरूकता पैदा करने में मंत्रालय के सतत प्रयासों को उजागर किया गया। इन दस्तावेजों को एडवोकेसी बैठकों, कार्यशालाओं और अन्य मंचों में विभिन्न पणधारियों में वितरित किया गया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने *'नवजात शिशु'* शीर्षक पर वर्ष 2015 के लिए एक अद्भुत भित्ति कैलेंडर प्रकाशित किया। इस कैलेंडर में ऐसे अनेक मुद्दों को शामिल

किया गया जिनमें मातृ और नवजात शिशु परिचर्या को उजागर किया गया था। इसे केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, राज्य सरकारों, गैर–सरकारी संगठनों, दाता सहभागियों आदि में वितरित किया गया।

7.3 टेलीविजन

आईईसी प्रभाग इस माध्यम का प्रयोग अपने लक्षित श्रोताओं में सकारात्मक स्वास्थ्य संदेश पहुंचाने के लिए गहन रूप से करता रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने हिंदी भाषी क्षेत्रों में *'स्वस्थ भारत'* कार्यक्रम तथा गैर–हिंदी भाषी क्षेत्रों के लिए *'आरोग्य भारतम्'* कार्यक्रम के प्रसारण/ब्रोडकास्ट एवं प्रोडक्शन के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल किए गए और इन्हें सप्ताह में 5 दिनों तक 30 दूरदर्शन केंद्रों और 29 आकाशवाणी केंद्रों से प्रसारित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य मंत्रालय की नीतियों, कार्यक्रमों और स्कीमों पर जमीनी स्तर पर प्रकाश डालना था। यह कार्यक्रम 7 अप्रैल, 2012 से शुरू हुआ था और यह सितंबर, 2014 तक चलता रहा। इस अवधि के दौरान 15612 कार्यक्रम तैयार किए गए और इस कार्यक्रम में 19348 विशेषज्ञों ने भाग लिया।

दूरदर्शन ने राष्ट्रीय नेटवर्क पर और क्षेत्रीय चैनलों के द्वारा विभिन्न अवसरों पर प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) तथा गैर–प्रजनन बाल स्वास्थ्य के संबंध में झलकियां (स्पॉट्स) भी प्रसारित की हैं। तीव्रीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह और राष्ट्रीय स्तनपान दिवस आदि की शुरूआत के दौरान टीवी और आकाशवाणी पर इन झलकियों को प्रसारित किया गया।

इस मंत्रालय ने लोक सभा चैनल पर सप्ताह में एक बार सायं 5.00 से 6.00 बजे तक *'स्वस्थ भारत'* शीर्षक वाले एक घंटे के कार्यक्रम का प्रोड्क्शन और प्रसारण का समन्वय भी किया है।

मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, किशोर स्वास्थ्य और प्रतिरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दों पर समय–समय पर सैटेलाइट चैनलों, डिजिटल सिनेमा और एफएम चैनलों के जरिए झलकियां (स्पोट्स) भी प्रसारित/ब्रोडकास्ट की गई थी।

एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए फरवरी, 2015 में दूरदर्शन और सैटेलाइट चैनलों पर शिक्षावर्धक और सूचनावर्धक टीवी झलकियां (स्पोट्स) प्रसारित की गई हैं। इनमें एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के लक्षण, इससे बचने के लिए तरीके और समयपूर्व चिकित्सा सहायता की अपेक्षा पर प्रकाश डाला गया था।

7.4 रेडियो

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी) के जरिए मैगजीन फारमेट में 19 भाषाओं में 189 प्राइमरी चैनलों और 44 विविध भारती स्टेशनों के जरिए सप्ताह में दो बार प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) मुद्दे के संबंध में *''एक कदम खुशहाल जिंदगी की ओर''* शीर्षक नामक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम तैयार किया गया और इसका प्रसारण किया गया।

डीएवीपी के जरिए सप्ताह में दो बार 10 भाषाओं में 22 एफएम स्टेशनों से *''टैन टीन टू नाइंटीन''* नामक किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम तैयार किया गया और इसका प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम के जरिए किशोर स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला गया।

इस मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने आकाशवाणी के फोन–इन कार्यक्रम में भाग लिया ताकि वे स्वास्थ्य संबंधी समकालीन मुद्दों पर रेडियो श्रोताओं के साथ वार्तालाप कर सकें।

इसके अतिरिक्त, आकाशवाणी द्वारा पूर्व में प्रसारित किए गए कार्यक्रमों को पुनः प्रसारित करने के लिए मंत्रालय द्वारा सामुदायिक रेडियो मंच का भी इस्तेमाल किया गया।

एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए आकाशवाणी के एफएम चैनलों और निजी रेडियो स्टेशनों पर फरवरी, 2015 में आकर्षक रेडियो जिंगल भी बजाई गई। इसने इसके लक्षणों, खुद को इससे बचाने के तरीकों के बारे में सूचना प्रदान की और समयपूर्वक चिकित्सीय कार्यकलापों को प्रोत्साहन दिया।

7.5 सामाजिक मीडिया

घटनाओं की कवरेज के लिए तथा लोगों को स्वास्थ्य संबंधी संदेश पहुंचाने के लिए मंत्रालय द्वारा सामाजिक मीडिया का प्रयोग किया जा रहा है। निम्नलिखित के लिए ट्विटर पर अभियान चलाए गए हैं: तीव्रीकृत अतिसार नियंत्रण पखवाड़ा, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह, राष्ट्रीय स्तन–पान सप्ताह और टीबी सर्वेक्षण की शुरूआत करना, भारतीय नवजात शिशु कार्य योजना, स्वतंत्रता दिवस, नेत्रदान दिवस, अल्जाइमर रोग, हृदवाहिका रोग, गांधी जयंती, मानसिक स्वास्थ्य, विश्व पोलियो निवारण दिवस और वैश्विक हस्त प्रक्षालन दिवस। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के यू–टयूब अकाउंट पर संबद्ध वीडियो भी अपलोड की जा रही हैं। पश्चिमी अफ्रीकी देशों में इबोला तथा अपने देश में एच1एन1 के प्रकोप के दौरान ट्विटर हैंडल को जागरूकता पैदा करने और अफवाहें दूर करने के लिए प्रभावी रूप से इस्तेमाल किया गया था।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय गांधी जयन्ती जैसे अवसरों पर *'संपर्क'* के अंतर्गत व्यापक प्रोत्साहक संदेश सेवा और ई–ग्रीटिंग तैयार करने के लिए अपने *'क्रिएटिव कॉर्नर'* का इस्तेमाल करने के लिए *माय गव* और एनआईसी मुख्यालय के साथ कार्य करता रहा है। गांधी जयन्ती, वैश्विक हस्त प्रक्षालन दिवस और विश्व पोलियो दिवस के लिए उपयुक्त संदेश युक्त मेलर डिजाइन किए गए हैं और इन्हें लगभग 40 लाख भारतीय नागरिकों को भेज दिया गया है। सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य क्षेत्रों में सभी आशा और एएनएम, डॉक्टरों और व्यावसायिकों/प्राधिकारियों को प्राथमिक कार्यभाषा के आधार पर हिंदी और अंग्रेजी में एसएमएस भेजने के लिए 'संपर्क' के अंतर्गत व्यापक आकर्षक एसएमएस सेवा इस्तेमाल की जा रही है।

7.6 आईआईटीएफ 2014 में स्वास्थ्य पैवेलियन

मंत्रालय ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय मेला (आईआईटीएफ)–2014 में भाग लिया।

श्री जे.पी. नड्डा, केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, स्वास्थ्य पैवेलियन, आईआईटीएफ–2014 में दीप प्रज्वलित करते हुए

स्वास्थ्य पैवेलियन की प्रदर्शनी का थीम *''आशा: परिवर्तक अभिकर्मक''* था। मंत्रालय की स्कीमों के संबंध में सूचनावर्धक पैनलों को बहुत बड़े आकार के डायरोमा के साथ लगाया गया जिसमें आशा को ग्रामीण समुदाय में जागरूकता पैदा करते हुए दिखाया गया था। व्यापार मेले के दौरान आगंतुकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, जनसंख्या स्थिरीकरण संबंधी परामर्श, एचआईवी/एड्स, परिवार नियोजन संबंधी तरीकों, जीवन–शैली संबंधी रोगों के लिए योग प्रदर्शन आदि की पेशकश की गई थी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के गीत और नाटक प्रभाग द्वारा प्रदर्शन किया गया, पैवेलियन के अन्य मुख्य आकर्षण स्वास्थ्य संबंधी क्विज और स्वास्थ्य विशेषज्ञ द्वारा दिए गए अंतर्वैयक्तिक व्याख्यान थे। सहज पहुंच के लिए प्रगति मैदान में 7 *''स्वस्थ चेतना''* स्टॉल आयोजित किए गए थे जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य जांच के लिए 65000 से ज्यादा लोगों ने पंजीकरण करवाया।

''मंत्रालय'' की श्रेणी में आईआईटीएफ–2014में स्वास्थ्य पैवेलियन को स्वर्ण पदक से नवाजा गया।